



न्यूज़ ब्रीफ

जीएसटी रिटर्न फार्म में प्रस्तावित बदलाव पर मंत्रालय मांगेगा कारोबारियों से राय, फार्म 1 अप्रैल, 2027 से प्रभावी; आडिट प्रक्रिया भी होगी सरल



नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फार्म में प्रस्तावित बदलावों पर 1 नवंबर से कारोबारियों से राय मांगेगा। इसका उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विसंगतियों को कम करना और अनुपालन बोझ को आसान बनाना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की 57वी बैठक में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी मिली थी। इन बदलावों का लक्ष्य जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में दी गई जानकारी का जीएसटीआर-3बी से बेहतर मिलान कर नोटिस जारी करने की जरूरत घटाना है। संशोधित फार्म एमवाईजीओवी मंच पर 1 से 30 नवंबर तक सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध रहेगे। इन्हें 1 अप्रैल, 2027 से लागू करने की योजना है। विभाग जीएसटी आडिट प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित करेगा, ताकि करदाताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। फिलहाल, बहु-राज्यीय कारोबारों को अक्सर कई आडिट का सामना करना पड़ता है, जिसे कम करने पर भी विचार किया जा रहा है।

बीएल एग्रो तंजानिया में 7,000 करोड़ निवेश करेगी, खाद्य तेल, डेयरी और कृषि समेत कई क्षेत्रों में अगले 10 साल में होगा निवेश



नई दिल्ली। भारतीय खाद्य तेल और कृषि क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बीएल एग्रो ने वैश्विक बाजार में प्रवेश करते हुए तंजानिया में बड़े निवेश की घोषणा की है। कंपनी अगले दस सालों में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो खाद्य तेल, डेयरी, कृषि और विनिर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। यह विस्तार 2030 तक 30,000 करोड़ रुपये का समूह बनने की कंपनी की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। बीएल एग्रो ने तंजानिया को उसकी विशाल भूमि, अनुकूल जलवायु, कई बंदरगाहों और सरकारी समर्थन (रियायती दरों पर 99 साल के लिए भूमि पट्टा) के कारण चुना। पहले चरण में कंपनी 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से 1,100 टन प्रतिदिन क्षमता वाला सूरजमुखी तेल परिसर त्पारित करेगी, जो अप्रैल 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। बीएल एग्रो भारतीय गाय प्रजनन कार्यक्रमों के माध्यम से डेयरी क्षेत्र में दूध उत्पादन बढ़ाएगी और कृषि में फसल पैदावार में सुधार लाएगी, साथ ही स्थानीय कृषि उपकरण भी विकसित करेगी। तंजानिया की उच्चायुक्त ने इस पहल का स्वागत करते हुए रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण में इसके लाभों पर जोर दिया।

महंगी विदेश यात्रा से बढ़ा घरेलू पर्यटन, राज्य पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे

नई दिल्ली। त्योहारों के इस मौसम में महंगी विदेश यात्रा और देश में घूमने की बढ़ती दिलचस्पी के कारण घरेलू पर्यटन में उछाल आया है। कई राज्य इस मौके को भुनाने के लिए विशेष पैकेज, प्रचार अभियान और नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे हैं। केरल बेहतर अनुभव देने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज पेश कर रहा है, उत्तर प्रदेश ने विजिट नाई स्टेट अभियान शुरू किया है, और राजस्थान सरकार एडवेंचर टूरिज्म, डेजर्ट सफारी तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। भारत में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है; वर्ष 2025 में इसके 4.28 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 अरब से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। 2011 से 2024 के बीच घरेलू यात्राओं में सालाना औसतन 9.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। विदेश यात्राओं की लागत में 20–30 फीसदी की बढ़ोतरी, वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विमानन कंपनियों द्वारा उड़ानों में कटौती जैसे कारणों से हवाई यात्रा महंगी हो गई है, जिससे लोगों का ध्यान देश के भीतर यात्रा विकल्पों की ओर अधिक हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देखी अपना देश की अपील भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा अब पर्यटक पारंपरिक स्थलों के बजाय नए और अलग तरह के अनुभवों की तलाश कर रहे हैं, जैसे धार्मिक व आध्यात्मिक यात्राएं, वन्यजीव सैर, रोमांचक पर्यटन, वेलनेस सेंटर और ग्रामीण जीवन के अनुभव। उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव और यात्रा सुविधाओं में सुधार ने भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना जैसी पहल भी राज्यों के इन प्रयासों को मजबूत कर रही है।



ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जान्स पच्यूसर् सबह गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा और प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में ज्यादातर जगहों पर बिकवाली की वजह से कमजोरी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का रुख दर्ज किया गया, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ डान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 360.21 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,856.09 अंक के स्तर पर पहुंच गया। वहीं एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 44.60 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 7,757.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह टेक-हैवी नैस्डेक कंपोजिट में भी अच्छी खरीदारी देखी गई। यह सूचकांक 278.04 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 26,702.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स पच्यूसर्स सुबह फिलहाल 155.92 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,700.17 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा, जिससे प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 340.62 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की भारी उछाल के साथ 25,645.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी 40 इंडेक्स ने 83.19 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,921.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा ब्रिटेन का एफटीएसई 100 इंडेक्स भी 19.88 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,752.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में ज्यादातर जगहों पर कमजोरी के साथ हरे निशान में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से सिर्फ दो के

नई दुनिया

ज्यादातर सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, चेन्नई में सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे हिस्सों में सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई में सोना 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई में सोने के भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में

कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की

कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के

स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पोस्ट आफिस एफडी स्कीम: 3 साल के लिए 5 लाख जमा करने पर मिलेंगे 6.18 लाख



नई दिल्ली

शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर, सुरक्षित और तय रिटर्न की तलाश करने वालों के लिए पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी) एक आकर्षक विकल्प है। भारत सरकार द्वारा समर्थित यह योजना बैंक एफडी की तरह ही काम करती है, जहाँ आपका निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको निश्चित ब्याज मिलता है। यह सरकारी स्कीम भारत की छोटी बचत योजनाओं का हिस्सा है, जिसमें जमा आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है। आप इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू कर सकते हैं और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। इसमें जमा पूंजी पर बाजार के जोखिमों का कोई असर नहीं होता, क्योंकि ब्याज दर पहले से तय होती है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में अलग-अलग अवधियों के लिए ब्याज दरें अलग होती हैं। वर्तमान में एक साल के लिए 6.90 फीसदी, दो साल के लिए 7.00 फीसदी, तीन साल के लिए 7.10 फीसदी और 5

छोटी बचत की सरकारी योजना में अलग-अलग अवधि पर 7.50 फीसदी तक ब्याज

साल की अवधि पर सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है। निवेश से पहले संबंधित पोस्ट ऑफिस में ताजा दरों की पुष्टि अवश्य करें। उदाहरण के लिए, अगर आप तीन साल के लिए 5 लाख रुपए निवेश करते हैं, तो 7.10 फीसदी की दर से आपको मैच्युरिटी पर कुल 6,18,304 रुपए मिलेंगे, जिसमें 1,18,304 रुपए केवल ब्याज शामिल होगा। टैक्स छूट की बात करें, तो केवल 5 साल की पीओटीडी पर ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ मिलता है।

3 साल की एफडी पर यह छूट लागू नहीं होती है। टैक्स नियम आपको चुनी हुई कर व्यवस्था पर भी निर्भर करते हैं।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को लगातार तीसरे वर्ष ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेशन



नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने लगातार तीसरे वर्ष ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेशन हासिल किया है। यह मान्यता कर्मचारियों के फीडबैक और कार्यस्थल की संस्कृति के मूल्यांकन के आधार पर दी गई है। कंपनी को पहली बार 2023 में यह प्रमाणन मिला था।

एलजीई इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जियोन ने कहा कि विश्वास, सम्मान और सहयोग पर आधारित कार्य-संस्कृति कर्मचारियों को बेहतर योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष अनुराग गुप्ता ने कंपनी की कर्मचारी-केंद्रित नीतियों की सराहना की।

कंपनी को हाल ही में नेशनल बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड और नवाचारी मानव संसाधन प्रथाओं के लिए भी सम्मानित किया गया है।

एंथ्रोपिक को रिकार्ड 80.7 अरब डालर का घाटा: आईपीओ से पहले वित्तीय चुनौती

वाशिंगटन
एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंपनी एंथ्रोपिक ने वर्ष की पहली छमाही में 80.7 अरब डालर का भारी शुद्ध घाटा दर्ज किया है, जो नवंबर में प्रस्तावित उसके प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एक बड़ी वित्तीय चुनौती दिखाता है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी कंपनी के ड्राफ्ट आईपीओ प्रास्पेक्टस का हवाला से: सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, विशाल घाटे का बड़ा हिस्सा उन अकाउंटिंग चार्जेंस से जुड़ा है, जो फंड जुटाने के लिए जारी किए गए कन्वर्टिबल नोट्स और अन्य वित्तीय साधनों के मूल्य में बदलाव के कारण दर्ज किए। इसी अवधि में कंपनी ने 16.3 अरब डालर का राजस्व दर्ज किया, लेकिन यह घाटा बीते वर्ष की समान अवधि के 13 अरब माइक्रोसाफ्ट जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए अतिरिक्त, कंपनी की कुल बिक्री का करीब पांचवां हिस्सा केवल दो प्रमुख ग्राहकों से



आया है, जो राजस्व एकाग्रता का संकेत देता है।

वित्तीय चुनौतियों के अलावा, एंथ्रोपिक को अपनी एआई सेवाओं के विस्तार के लिए पर्याप्त क्लाउड क्षमता हासिल करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एडब्ल्यूएस, गूगल और माइक्रोसाफ्ट जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों एंथ्रोपिक केवल एक ग्राहक के बजाय एक संभावित प्रतिस्पर्धी के रूप में देख रही हैं। इस

समस्या से निपटने के लिए, कंपनी अब डेटा सेंटर लीज पर लेने और थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर आपरेटों के साथ भी काम कर रही है।

हाल ही में, अमेरिकी एआई कंपनी ने स्वीकार किया था कि उसके क्लाउड एआई माडल ने कुछ बाहरी संगठनों, जिसमें अमेरिका की कुछ सरकारी वेबसाइटें भी शामिल थीं, पर अनजाने में कई कार्रवाइयों की थीं। इन घटनाओं के बाद व्हाइट

म्युचुअल फंड एनएफओ में बड़ी गिरावट, सितंबर में 67 फीसदी कम जुटाया एसआईपी ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

नई दिल्ली

म्युचुअल फंड की नई स्कीमों (एनएफओ) में निवेश सितंबर महीने में नाटकीय रूप से गिरा है। अगस्त के मुकाबले लगभग 67 फीसदी की भारी कमी के साथ, नई स्कीमों ने केवल 2,372 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 7,110 करोड़ रुपये था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने रिकार्ड ऊर्चाई छू ली है और इतिवटी म्युचुअल फंड्स में कुल शुद्ध प्रवाह भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों की बदलती प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 22 नई ओपन-एंडेड स्कीमों ने 2,372 करोड़ रुपए जुटाए, जो अगस्त में 26 स्कीमों द्वारा जुटाए गए 7,110 करोड़ रुपए से काफी कम



है। यह स्थिति तब हैरान करती है जब सितंबर में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में शुद्ध प्रवाह लगभग 31 फीसदी बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए रहा और एसआईपी के माध्यम से रिकार्ड 32,490 करोड़ रुपए का निवेश आया। श्रेणीवार देखें तो, इक्विटी, हाइब्रिड और डेट तीनों ही एनएफओ कैटेगरी के कलेक्शन में भारी गिरावट दर्ज की गई। इक्विटी एनएफओ का कलेक्शन 3,051 करोड़ रुपए से घटकर 998 करोड़ रुपए रह

गया, जबकि हाइब्रिड और डेट एनएफओ में भी समान रझान दिखा। हालांकि, इंडेक्स फंड्स में एनएफओ की संख्या और कलेक्शन दोनों में बढ़ोतरी देखी गई। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेशक अब पुराने और स्थापित फंड्स को तर्जिह दे रहे हैं, जिनका पिछला प्रदर्शन उन्हें बेहतर मूल्यांकन का आधार देता है। निवेशकों को एनएफओ में निवेश से पहले उसकी रणनीति, जोखिम और लागत को समझने की सलाह दी जाती है।

लार्जकैप में बेहतर मूल्य, फिर भी निवेशक स्मालकैप-मिडकैप की ओर

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड निवेशकों का रुझान सितंबर 2026 में स्मालकैप और मिडकैप फंड्स की ओर रहा, जबकि लार्जकैप को अपेक्षाकृत कम निवेश मिला। एएम्फआई आंकड़ों के मुताबिक, स्मालकैप में 9,038 करोड़ और मिडकैप में 7,834 करोड़ रुपए का इनप्लो आया। हालांकि, डीएसपी म्युचुअल फंड की एक रिपोर्ट लार्जकैप शेयरों में बेहतर मूल्य के मौके बता रही है। बाड़ी: रिपोर्ट के अनुसार, निपटी 100 (लार्जकैप) का प्राइस-टू-अर्निंग अनुपात 19 गुना रहा, जो इसके 5 साल के ऐतिहासिक मध्य स्तर 22.2 गुना से नीचे है। वहीं, निपटी मिडकैप 150 का प्राइस-टू-अर्निंग 27 गुना और निपटी स्मालकैप 250 का 33 गुना रहा। यह स्थिति लार्जकैप में आकर्षक मूल्यांकन दर्शाती है, जबकि मिडकैप और स्मालकैप की मौजूदा कीमतें तभी टिक पाएगी जब उनकी कमाई में मजबूत वृद्धि हो। विशेषज्ञ सिर्फ कम प्राइस-टू-अर्निंग देखकर ही निवेश करने की बजाय कमाई की गुणवत्ता, विकास की संभावना और फंड के पोर्टफोलियो पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

हाउस ने एआई कंपनियों को अपने सिस्टम की सुरक्षा मजबूत करने का निर्देश दिया। एंथ्रोपिक ने बताया कि माडलों ने साधारण साफ्टवेयर कमजोरियों का फायदा उठाकर कमांड चलाए, अनाधिकृत फार्म जमा किए और सार्वजनिक डेटा तक पहुंच पाने के लिए प्रतिबंधों को दरकिनार

किया। इन घटनाओं के मद्देनजर, एंथ्रोपिक ने अपने एआई माडलों के प्रशिक्षण और परीक्षण चरण के दौरान इंटरनेट एक्सेस के कुछ प्रकारों पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रभावित पक्षों के अनुरोध पर संबंधित संस्थाओं के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।